जल गंगा संवर्धन अभियान की लगातार हो मॉनिटरिंग

खंडवा। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत चल रहे कार्यों का नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए।बैठक के दौरान नवागत सहायक कलेक्टर शिल्पा चौहान का स्वागत भी किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर केआर बडोले सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत एवं नगरीय निकायों के अधिकारी उपस्थित रहे।कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को निर्देश दिए कि जिला अस्पताल के सभी वार्डों का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि ग्रीष्म ऋतु में कूलर चालू हों और उनमें नियमित रूप से पानी भरा जा रहा हो। साथ ही, अस्पताल परिसर में हरियाली बढ़ाने के लिए वर्षा ऋतु में पौधरोपण की तैयारी करने के निर्देश भी दिए गए।

भटकी नाबालिग को सीडब्ल्यूसी ने परिवार से मिलाया

खंडवा। पारिवारिक संवाद की कमी जहां बच्चों को भटकाव की ओर ले जा सकती है, वहीं समय पर संवेदनशील हस्तक्षेप उन्हें सही दिशा में वापस ला सकता है। ऐसा ही एक मामला खंडवा में सामने आया, जहां उत्तरप्रदेश के गाजीपुर की 16 वर्षीय नाबालिग बच्ची को बाल कल्याण समिति ने काउंसलिंग के बाद सुरक्षित रूप से उसके परिजनों को सौंप दिया।मामले की जानकारी मिलते ही समिति ने बच्ची को संरक्षण में लिया और उसकी मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग कराई। पूछताछ में सामने आया कि माता-पिता के साथ संवाद की कमी, अत्यधिक रोक-टोक और भावनात्मक दूरी के चलते बच्ची घर छोड़कर निकल गई थी।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग

खंडवा। गौ सम्मान आह्वान अभियान के तहत सोमवार को जिले में गौभक्तों, संतों और नागरिकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम तहसील स्तर पर ज्ञापन सौंपे। नायब तहसीलदार महादेव राठौर को ज्ञापन सौंपकर गौवंश संरक्षण से जुड़ी विभिन्न मांगें उठाई गईं।ज्ञापन में प्रमुख रूप से गौमाता को राष्ट्रमाता या राष्ट्र आराध्या के रूप में संवैधानिक मान्यता देने, गौ सेवा के लिए एक स्वतंत्र केंद्रीय मंत्रालय स्थापित करने तथा गोवंश संरक्षण हेतु एकीकृत केंद्रीय कानून बनाने की मांग की गई। साथ ही गौ तस्करी और गोवध को संज्ञेय एवं गैर-जमानती अपराध घोषित कर कठोर दंड का प्रावधान करने का आग्रह भी किया गया।

चीराखान के किसानों ने तहसीलदार से की शिकायत

मूंदी। ग्राम चिराखान के दर्जनों किसानों ने अपने खेतों तक पहुँचने वाले वर्षों पुराने रास्ते को अवैध रूप से बंद करने के खिलाफ तहसीलदार कार्यालय, मूंदी में आवेदन प्रस्तुत किया है। किसानों का आरोप है कि ग्राम चिराखान तहसील मूंदी के खसरा क्रमांक 222, 247, 248, 249, 250, 251, 270 सहित अन्य भूमियों पर जाने के लिए वे सन 1950 से इसी रास्ते का उपयोग कृषि औजार, बैलगाड़ी और ट्रैक्टर लाने-ले जाने के लिए कर रहे हैं। विवाद तब शुरू हुआ जब ग्राम पंचायत उटवाद द्वारा 26 जनवरी 2026 को ग्राम सभा में पारित प्रस्ताव के अनुसार रास्ते पर मुरूम डालकर उसे सुगम बनाने का कार्य किया जा रहा था। इस दौरान अनावेदक मदन, पिता बाबू लाल निवासी मूंदी ने कार्य रुकवा दिया और रास्ते पर पत्थर डालकर उसे पूरी तरह बंद कर दिया।

बीड शिवपरिया मार्ग पर अतिक्रमण का आरोप

बीड़। बीड़ शिवपरिया मार्ग स्थित लगभग तीन एकड़ भूमि पर अतिक्रमण के आरोप को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रभावित प्लॉट धारकों का आरोप है कि खरीदी गई जमीन पर अवैध कब्जा कर तार फेंसिंग कर दी गई है और पूरे क्षेत्र को अपना बताया जा रहा है। उन्होंने राजस्व विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर अतिक्रमण हटाने की मांग की है।जानकारी के अनुसार, स्वर्गीय श्रीराम पवार के वारिसों ने वर्ष 2012 में प्लॉट कई लोगों को बेचे थे। इसके बाद शेष लगभग दो एकड़ भूमि बीड निवासी रमेश जैन को बेची गई, जिसे बाद में उनके पुत्र अभिनव जैन द्वारा छनेरा निवासी गब्बर गुर्जर को विक्रय किया गया।आरोप है कि खरीदी गई दो एकड़ जमीन के साथ-साथ पहले से विक्रय किए गए 17 प्लॉटों पर भी कब्जा कर लिया गया है। प्लॉट धारकों का कहना है कि उनके पास वैध रजिस्ट्री मौजूद है, इसके बावजूद उनकी जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। संबंधित भूमि का पुराना खसरा नंबर 55/4 बताया गया है। प्रभावित लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत करने के साथ न्यायालय की शरण लेंगे।

दैनिक
नव भारत

राजू पटेल
(ब्यूरो चीफ)
मो. 99771 03477

अमित राठौर
(सिटी चीफ, मार्केटिंग हेड)
मो. 934001773, 9009346535

छनेरा में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
महेश जैन (संवाददाता) मो. 98263 68865

पुनासा में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
शुभम सोनी (संवाददाता) मो. 99077 23585

छैगांवमाखन में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
लाड़ न्यूज एजेंसी, छैगांवमाखन
रंजना अमित लाड़ (संवाददाता) मो. 7828819062

पंधाना में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
जय न्यूज़ एजेंसी, पंधाना
किशोर सपकाल (संवाददाता) मो. 8305187155

किल्लौद में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
अपना न्यूज़ एजेंसी, किल्लौद
सौरभ राठौर (संवाददाता) मो. 7828628002

मूंदी में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
चरक न्यूज एजेंसी, मूंदी
डॉ. रिजवान कुरैशी (संवाददाता) मो. 9826545003

बीड़ में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
पूर्वी न्यूज एजेंसी, बीड़
राजेन्द्र सोनी (प्रतिनिधि) मो.9424710031,9617086499

राई में नवभारत समाचार पत्र प्राप्त करने विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें
श्री दादाजी न्यूज़ एजेंसी, राई
राम कसेरा (संवाददाता) मो. 9340594203

बागमार सोसायटी के केंद्र पर नहीं हो सकी गेहूं की खरीदी

नवभारत न्यूज़

खंडवा। सरकार की समर्थन मूल्य पर किसानों की उपज खरीदने की योजना और दाना-दाना खरीदने के लंबे-चौड़े दावे उस वक्त पूरी तरह खोखले साबित हो गए जब बाघमार सोसाइटी के खरीदी केंद्र ममता वेयर हाउस पर सोमवार को अव्यवस्था का देखने को मिली। प्रदेश भर में कृषि प्रधान होने का दंभ भरने वाली व्यवस्था ने खरीदी केंद्र पर दम तोड़ दिया, जहाँ सोमवार को पूरे दिन में गेहूं की एक भी ट्राली नहीं खरीदी गई। यह स्थिति तब है जब किसान तपती धूप और लू के थपेड़ों के बीच सुबह से ही अपनी उपज लेकर कतारों में खड़े थे।

जब इस घोर लापरवाही और अव्यवस्था के संबंध में केंद्र प्रबंधक कृष्ण पटेल से जवाब माँगा गया, तो उन्होंने बेहद गैर-जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हुए हम्माल न होने की बात कहकर अपना पल्ला झाड़ लिया। सवाल यह उठता है कि क्या सरकारी तंत्र को पहले से यह आभास नहीं था कि खरीदी के सीजन में हम्मालों की जरूरत होगी, या फिर यह जानबूझकर अन्नदाता को परेशान करने की कोई सोची-समझी साजिश है?

खरीदी केंद्र की हालत यह थी कि सुबह से ही लगभग 15 से अधिक ट्रैक्टर-ट्रालियां गेहूं से लदी खड़ी रहीं, लेकिन शाम ढलने तक कांटा तक नहीं चला। भीषण गर्मी और 40 डिग्री से ऊपर के तापमान में किसान भूखे-प्यासे अपनी बारी के इंतजार में खड़े रहे, लेकिन प्रशासन की संवेदनहीनता ने उन्हें केवल निराशा और पसीना ही

दिया। जैसे-जैसे सूरज ढलता गया, किसानों के सब्र का बांध भी टूटने लगा और उनका पारा चढ़ गया। केंद्र पर आलम यह था कि किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने वहां झांकना तक मुनासिब नहीं समझा। पूरा का पूरा केंद्र मात्र एक कंप्यूटर ऑपरेटर के भरोसे छोड़ दिया गया था, जिसके पास न तो कोई अधिकार था और न ही कोई संतोषजनक जवाब। वह केवल मूकदर्शक बना किसानों का गुस्सा झेलता रहा। किसानों की चिंता केवल आज की नहीं, बल्कि भविष्य की भी थी। सिलोदा के पीड़ित किसान अनिल पटेल ने अपनी व्यथा सुनाते हुए बताया कि आज पंजीकरण की आखिरी तारीख थी और गेहूं न बिकने की सूरत में अब वे अधर में लटक गए हैं। दोबारा पंजीयन होगा या नहीं, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी किसी के पास नहीं है। किसान को न केवल अपनी उपज की चिंता सता रही है, बल्कि ट्रैक्टर का भारी-भरकम किराया और दिन भर की बर्बादी ने उनकी कमर तोड़ दी है। दिन भर इंतजार के बाद कई किसान मायूस होकर अपने घर लौट गए, जो व्यवस्था के मुंह पर एक करारा तमाचा है।

यह घटना साबित करती है कि कागजों पर चलने वाली सरकारी योजनाएं धरातल पर कितनी खोखली हैं, जहाँ एक छोटे से हम्माल के बहाने पूरी सरकारी मशीनरी को पंगु बना दिया गया और अन्नदाता को बेसहारा छोड़ दिया गया।

पं. शास्त्री करेंगे बालाजी प्रतिमा का अनावरण

81 फीट ऊंची बालाजी प्रतिमा का करेंगे अनावरण

नवभारत न्यूज़

खंडवा। जिले के लिए एक बड़ा धार्मिक एवं सांस्कृतिक अवसर सामने आ रहा है। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जल्द ही खंडवा पहुंचेंगे, जहां वे छ: गांव माखन में निर्मित 81 फीट ऊंची भगवान तिरुपति बालाजी की भव्य प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

साथ ही मंदिर के गर्भगृह में भगवान वेंकटेश की प्राण प्रतिष्ठा भी संपन्न कराई जाएगी। यह घोषणा नागपुर में आयोजित कथा के दौरान उस समय हुई, जब मध्यप्रदेश शासन के मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह एवं बालाजी ग्रुप के संस्थापक रितेश गोयल ने पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से

मुलाकात की। इस दौरान बागेश्वर बाबा ने न केवल खंडवा आने की सहमति दी, बल्कि इस पूरे प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए इसे पुनीत और सेवा का कार्य बताया।उन्होंने कहा कि खंडवा में देश की सबसे ऊंची बालाजी प्रतिमा का निर्माण निमाड़ क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इससे क्षेत्र में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और व्यापारिक गतिविधियों में भी वृद्धि होगी।

जनवरी में प्रस्तावित भव्य आयोजन -महाराज श्री ने संकेत दिए हैं कि वे जनवरी माह में शुभ तिथि निर्धारित कर प्राण प्रतिष्ठा एवं लोकार्पण समारोह में शामिल होंगे। इस अवसर को भव्य बनाने के लिए देशभर के संत-महंतों को आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही, श्रद्धालुओं के लिए विशाल धार्मिक समागम और संभवत: कथा आयोजन भी किया जा सकता है।

धार्मिक पर्यटन का बनेगा नया केंद्र- छैगांव माखन में तैयार हो रही 81 फीट ऊंची बालाजी प्रतिमा को देश की सबसे ऊंची प्रतिमा बताया जा रहा है। इस परियोजना के पूर्ण होने के बाद यह स्थल न केवल आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा, बल्कि खंडवा और निमाड़ क्षेत्र को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएगा। स्थानीय नागरिकों को इस ऐतिहासिक आयोजन का बेसब्री से इंतजार है।

गौसम्मान अभियान के तहत पुनासा में सौंपा ज्ञापन

नवभारत न्यूज़

पुनासा। गौसम्मान आवाहन अभियान के तहत सोमवार को देशभर में एक साथ तहसील स्तर पर ज्ञापन सौंपे गए। इसी क्रम में पुनासा तहसील कार्यालय में भी संत समाज, गौसेवकों और नगरवासियों ने प्रधानमंत्री, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया।

ज्ञापन में गौवंश के संरक्षण और संवर्धन के लिए ठोस कदम उठाने, गौवध पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने तथा गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने हेतु कठोर कानून बनाने की मांग की गई। साथ ही, गौसेवा से जुड़ी व्यवस्थाओं में सुधार कर प्रभावी नीति लागू करने का आग्रह किया गया।ज्ञापन का वाचन गौरव राजपूत ने किया। इस दौरान लोकेश यादव, जितेंद्र चंदेल, योगेश राजपूत, राहुल ठाकुर, अभिषेक ठाकरे, राहुल मोरे, रतनसिंह डावर, कमीज तिरोले, राहुल राजपूत, गौतम नायक, पीयूष यादव, मोहित शर्मा सहित बड़ी संख्या में गौसेवक और नागरिक उपस्थित रहे।उपस्थित जनों ने प्रशासन से आग्रह किया कि गौवंश संरक्षण के लिए निर्णायक पहल करते हुए गौमाता को संवैधानिक गरिमा प्रदान करने की दिशा में ठोस कार्रवाई की जाए।

स्लॉट बुकिंग बनी किसानों के लिए परेशानी, उपार्जन व्यवस्था पर उठे सवाल

नवभारत न्यूज़

राई। जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए लागू स्लॉट बुकिंग व्यवस्था किसानों के लिए परेशानी का कारण बनती जा रही है। किसान बार-बार स्लॉट पंजीयन के लिए उपार्जन केंद्रों और सीएससी सेंटर के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें समय पर स्लॉट नहीं मिल पा रहा।कई किसान मोबाइल के माध्यम से उपार्जन पोर्टल पर पंजीयन का प्रयास करते हैं, लेकिन पोर्टल खुलने के बाद अचानक बंद हो जाने से प्रक्रिया अधूरी रह जाती है। इससे किसानों में प्रशासन और व्यवस्था के प्रति नाराजगी बढ़ रही है।

हालांकि शासन ने गेहूं उपार्जन सप्ताह में छह दिन करने और शनिवार का अवकाश समाप्त करने के निर्देश दिए हैं, साथ ही नियमों में भी शिथिलता बरती गई है, लेकिन जमीनी स्तर पर किसानों को जटिल प्रक्रिया और तकनीकी

खामियों के चलते राहत नहीं मिल पा रही है।किसान रामनारायण वर्मा (राई) ने बताया कि खलिहान में रखी गेहूं की फसल तेज धूप के कारण खराब हो रही है। तिरपाल क्षतिग्रस्त हो चुकी है, जिससे फसल बचाने के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि यदि मौसम खराब हुआ तो फसल को भारी नुकसान हो सकता है।वहीं किसान कनक सिंह का कहना है कि देरी के कारण साहूकारों का ब्याज बढ़ता जा रहा है, जिससे आर्थिक बोझ और बढ़ रहा है। उन्होंने वर्तमान उपार्जन व्यवस्था को किसानों के हित में नहीं बताते हुए सरकार से भावांतर योजना के तहत 400 रुपये अतिरिक्त देने और किसानों को अपनी उपज कहीं भी बेचने की स्वतंत्रता देने की मांग की।किसानों ने प्रशासन से स्लॉट बुकिंग प्रक्रिया को सरल और सुचारु बनाने की मांग की है, ताकि उन्हें समय पर उपार्जन का लाभ मिल सके।

हेलमेट अभियान में 131 चालकों पर कार्रवाई

खंडवा। जिले में यातायात नियमों के पालन को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए हेलमेट विशेष अभियान के तहत व्यापक कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय के निर्देशन में 26 अप्रैल को जिलेभर में 131 दोपहिया वाहन चालकों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई और 45,600 रुपये का समन शुल्क वसूला गया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने और अन्य नियमों का उल्लंघन करने वालों पर विशेष ध्यान दिया गया।इसी दिन जिले के विभिन्न थानों द्वारा एक स्थाई वारंट, 12 जमानती वारंट और 12 समंस की तामील भी की गई। वहीं अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पदमनगर, छैगांवमाखन और मूंदी थाना क्षेत्रों में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से देशी शराब और बीयर जब्त की गई। सभी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए गए।इसके अलावा पुलिस ने 10 असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए

गौ संरक्षण को लेकर करणी सेना का ज्ञापन, सख्त कार्रवाई की मांग

नवभारत न्यूज़

खंडवा। करणी सेना परिवार खंडवा द्वारा गौ संवर्धन और संरक्षण को लेकर सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन में गौ हत्या पर पूर्ण रोक लगाने और गो तस्करी में लिप्त लोगों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग उठाई।

ज्ञापन में हाल ही में जिले में मिले पशु अवशेषों की निष्पक्ष और शीघ्र जांच कराने की बात भी प्रमुखता से रखी गई। साथ ही चर्बी से निर्मित घी बनाने के आरोपों में शामिल व्यक्तियों के नाम सार्वजनिक करने की मांग की गई। संगठन ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए उनके भवनों पर बुल्डोजर चलाने और राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत जेल भेजने की मांग भी की। करणी सेना के सदस्यों ने प्रशासन से आग्रह किया कि गौ संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए। ज्ञापन सौंपते समय संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कर्मवीर विद्यापीठ बचाने जनजागरण तेज : विधायक छाया मोरे की पहल

नवभारत न्यूज़

खंडवा। निमाड़ की ऐतिहासिक धरोहर कर्मवीर विद्यापीठ को बंद किए जाने की आशंकाओं के बीच जिले में जनजागरण तेज हो गया है। पत्रकार संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और नागरिकों ने एकजुट होकर इसे बचाने की मांग उठाई है। लोगों का कहना है कि यह संस्थान खंडवा की पहचान और गौरव का प्रतीक है।पंधाना विधायक छाया मोरे ने इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए सक्रिय पहल की। उन्होंने भोपाल में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और स्पष्ट किया कि माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय का खंडवा स्थित यह परिसर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि से जुड़ी अमूल्य धरोहर है।विधायक मोरे ने मांग रखी कि परिसर को बंद न किया

जाए, बल्कि इसे यथावत संचालित रखते हुए यहां स्थायी एवं सर्वसुविधायुक्त भवन का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा कि संस्थान बंद करना युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय होगा।मुख्यमंत्री ने मामले की गंभीरता को स्वीकार करते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया है। इधर, सामाजिक संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि संस्थान बंद करने की प्रक्रिया आगे बढ़ी, तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा।कुल मिलाकर कर्मवीर विद्यापीठ अब केवल शिक्षण संस्थान नहीं, बल्कि निमाड़ की पहचान बन चुका है, जिसे बचाने के लिए समाज एकजुट नजर आ रहा है।

एक नजर निमाड़ वनिता विश्व का हर सदस्य लगाएगा 11 वृक्ष

पृथ्वी दिवस पर महिलाओं ने लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

नवभारत न्यूज़

खंडवा। पृथ्वी दिवस के अवसर पर निमाड़ वनिता विश्व द्वारा आयोजित कार्यक्रम में महिला सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। सभी सदस्यों ने तय किया कि वे आगामी जून माह में प्रत्येक सदस्य 11-11 बहुवर्षीय वृक्ष लगाएंगी और उनकी नियमित देखरेख भी करेंगी। इस दौरान साप्ताहिक बैठकों और मासिक गतिविधियों की समीक्षा भी की गई, जिसमें महिलाओं द्वारा किए जा रहे कार्यों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया।

76 वर्षों के इतिहास वाली यह संस्था खंडवा जिले में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर कार्यरत है। संस्था के माध्यम से महिलाओं को पापड़, बड़ी, अचार, सूखे मसाले और शुद्ध तेल जैसे उत्पाद तैयार करने एवं उनके विपणन से जोड़ा जा रहा है, जिससे आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। संस्था की सदस्याएं पर्यावरण संरक्षण में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वृक्षारोपण के साथ-साथ पक्षियों के लिए सकोरे रखना और दाना-पानी की व्यवस्था जैसे कार्य सामूहिक रूप से किए जा रहे हैं। सहकारी समिति की प्रमुख सदस्यों में कोकिला बाई मालवीय, पूजा गुप्ता, शारदा, राधाबाई, प्रभादेवी और शोभा देवी शामिल हैं। वहीं संरक्षक के रूप में शकुंतला राठौर, उमा पाठक, भाविनी पटेल सहित अन्य सदस्य—सोनाली सेनगुप्ता, अणिमा उबेजा, प्रतिभा जैन, अनीता कैप्रहन, अंजली शुक्ला, शैलजा शुक्ला, गीता शर्मा, नीता पोद्दार, आशा हेडाऊ, सरोज मिश्रा, सुनीता सकारगायें, गीता अग्रवाल, उर्मिला, प्रेमलता, सावित्री गोयल, कुलबीर उबेजा, सोनिया सेठी, मीनू चावला, स्नेहा पटेल, सकीना आजाद, कल्पना भाटे, मीनाक्षी शुक्ला एवं डॉ. भारती पाराशर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ भारती पाराशर द्वारा किया गया। सभी महिलाओं के सहयोग और सेवा भाव से संस्था निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है।